प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर 15.7.2021।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के अर्थशास्त्र अध्ययन शाला में आज दिनांक 15.7.2021 को स्ट्राईड (STRIDE) की रिसर्च केपेसिटी बिल्डिंग की तृतीय बैच का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। स्कीम फॉर ट्रांस डिसिप्लिनरी रिसर्च फॉर इंडियास डेवलपिंग इकॉनमी अर्थात STRIDE के अंतर्गत विश्वविद्यालय को जनवरी 2020 में एक करोड़ रू. का अनुदान यूजीसी द्वारा प्रदान किया गया था। इसी अनुदान के अंतर्गत सितम्बर 2020 में माननीय यूजीसी अध्यक्ष प्रो. डी.पी.सिंह ने प्रथम बैच एवं मार्च 2021 में माननीय उपिन्दर धर, कुलपति श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने द्वितीय बैच का उद्घाटन किया था। दोनों कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किये गये थे।

आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई.आई.एम. इन्दौर के डायरेक्टर प्रो.हिमांशु राय थे। अपने उद्बोधन में प्रो.हिमांशु राय ने सभी शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध के मूलमंत्र बतायें। उन्होंने शोध के लिए नेटवर्किंग, कांशियसनेस तथा ओपननेस का अर्थ समझाया। नेटवर्किंग के लिये उन्हें विभिन्न विषयों के शोधार्थियों से मेल–जोल बढ़ाना चाहिए। चूंकि शोध एक स्वप्रेरित गतिविधि है इसलिए अनुशासित होना बहुत जरूरी है तथा शोध में मुक्त अथवा बंधनरहित विचार जरूरी है जिससे सीखने की जिज्ञासा तथा प्रयोग करने की तत्परता बनी रहें। उन्होंने यह भी बताया कि आपको अपने शोध से आनन्द की अनुभूति प्राप्त होनी चाहिए। दूसरा बिन्दु यह कि आप अपने शोध से कितना सीख पाते है तथा सबसे महत्वपूर्ण की शोध से समाज और राष्ट्र का मूल्यवर्धन हो रहा है कि नहीं।

प्रो.मिलिन्द पडलकर, प्रो चांसलर, नार्थकेप विश्वविद्यालय ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि विज्ञान वैश्विक है तथा शोध हमेशा से ही ट्रांस डिसीप्लेनरी रहा है। आज अर्थशास्त्र भी बिहेवेरियल साईंस की ओर उन्मुख हो रहा है।

प्रो.पी.एन.मिश्र ने अपने भाषण में ऋग्वेद में शिक्षा की प्रणाली तथा वर्तमान में शिक्षा का तारतम्य समझाया।

प्रोजेक्ट की कोआर्डिनेटर डॉ.विशाखा कुटुम्बले ने विस्तृत रूप से STRIDE प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। इस प्रोजेक्ट में ट्रांस डिसिप्लिनरी रिसर्च के समावेश से शोधार्थियों के नई शोध पद्धतियां सिखने का अवसर मिल रहा है। विशेषत: Lean Six-Sigma Approach तथा Theatrical Methods भी युवा शिक्षकों को सिखाई जा रही है। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन के लिये उम्मीद से अधिक आवेदन प्राप्त हुये है। यह प्रोजेक्ट वर्तमान में शोध में कार्यरत विशेषतर युवाओं को, उत्कृष्टता का मंच उपलब्ध कराता है। प्रोग्राम में बीस विभिन्न विषयों के शिक्षाविद रिसर्चर्स को मार्गदर्शन देंगे। इससे हर रिसर्चर का शोध कार्य ट्रांस डिसिप्लिनरी आधार पर उत्कृष्ट होकर प्रस्तुत होगा।

कार्यक्रम का आभार विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ.कन्हैया आहूजा ने किया।